बीईसीसी-105

कला स्नातक (अर्थशास्त्र ऑनर्स) कार्यक्रम
(बी.ए.ई.सी.एच.)

सत्रीय कार्य-2022-23

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–105
पाठ्यक्रम शीर्षक : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I

अर्थशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ई.सी.सी.–105 : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.ई.सी.सी.–105 मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्यम श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। ये प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन; कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

आपको सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास निम्नलिखित समय-सीमा के भीतर जमा करना होगा–
(i) 30 अप्रैल, 2023 तक उन सभी विद्यार्थियों को जिनका प्रवेश जुलाई 2022 शैक्षणिक सत्र में हुआ है।
(ii) 31 अक्तूबर, 2023 तक उन सभी विद्यार्थियों को जिनका प्रवेश जनवरी 2023 शैक्षणिक सत्र में हुआ है।

जमा कराये गये सत्रीय कार्य की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।
2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :
   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हैं।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ,

बी.ई.सी.सी.–105
मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.सी.सी.–105
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी.(टी.एम.ए.)/2022-23
पूर्णांक : 100

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। **2x 20=40**

1. क) प्रतिस्थापन प्रभाव एवं आय प्रभाव के बीच क्या अंतर है। कीमत प्रभाव को आय प्रभाव एवं प्रतिस्थापन प्रभाव में विभाजित करने के हिक्स के दृष्टिकोण एवं स्लस्की के दृष्टिकोण में सचित्र अंतर बताइये। **(5)**

   ख) एक ऐसे उपभोक्ता पर विचार करें जिसका उपयोगिता फलन इस प्रकार है : $U(X, Y) = XY$ जहां X तथा Y दो वस्तुएं हैं जिनकी कीमत क्रमशः P_x और P_y दी हुई हैं। इस उपभोक्ता की आय रु. 120 है, P_x = रु. 3 तथा P_y = रु. 1। मान लीजिये कि X की कीमत गिरकर रु.2.50 हो जाती है। इस X की कीमत में गिरावट का दोनों वस्तुओं के उपभोग पर क्या प्रभाव पड़ेगा? **(15)**

2. क) अल्पकालीन उत्पादन फलन एवं दीर्घकालीन उत्पादन फलन में क्या अंतर है? चित्र एवं उदाहरण की सहायता से परिवर्ती अनुपातों के नियम से जुड़े कुल उत्पादन के विभिन्न चरणों की व्याख्या करें। **(10)**

   ख) निम्नलिखित दिये गये उत्पादन फलन

   $$Q = 4.5\ K^{0.4}\ L^{0.7}$$

   से 54 इकाई उत्पादन स्तर को दिखाने वाले समोत्पाद वक्र के लिए $K = f(L)$ के रूप में फलन को व्युत्पन्न करें। **(10)**

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। **3x 10=30**

3. एक ऐसी फर्म पर विचार करें जिसका माँग फलन $P = 190 - 0.6q$ तथा कुल लागत फलन $TC = 40 + 30q + 0.4q^2$ है :

   i) उत्पादन का कौन स्तर अधिकतम लाभ प्रदान करेगा? **(5)**

   ii) कौन-से उत्पादन स्तर पर आगम अधिकतम होगा? **(3)**

   iii) यदि फर्म रु. 4760 का लाभ अर्जित करती है तो इसका उत्पादन स्तर क्या होगा? **(2)**

4. मान लीजिए कि फर्म का मांग फलन P = 200 – 2q तथा इसका कुल लागत फलन TC = $\frac{2}{3}q^3 - 14q^2 + 222q + 50$है तो ज्ञात करें : **(10)**

i) कुल आगम

ii) सीमांत आगम

iii) लाभ

5) किसी उपभोक्ता का उपयोगिता फलन इस प्रकार है **(10)**

$U = 4 A^{0.5} B^{0.5}$

उपभोक्ता अपनी संपूर्ण आय जो कि रु.120 है को दो वस्तुओं A तथा B पर व्यय करता है। वस्तु A की कीमत रु.10 तथा B की कीमत रु.15 है। A तथा B वस्तु की कितनी मात्राएं उसके द्वारा खरीदी जाएगी?

सत्रीय कार्य-3

सभी प्रश्नों के मान 6 अंक है। **5x 6=30**

6. उपभोक्ता की बचत क्या है और यह किस प्रकार मापी जाती है? उदाहरण सहित व्याख्या करें।

7. उपयोगिता फलन एवं प्रत्याशित उपयोगिता फलन में क्या अंतर है? वान न्यूमेन मोर्गेस्टन उपयोगिता फलन से जुड़ी उपयोगिता फलन की मान्यताओं की विवेचना करें।

8. कल्याणकारी अर्थशास्त्र का दूसरा आधारभूत प्रमेय दक्षता एवं समानता को अलग-अलग प्रकार से निपटाता है। व्याख्या करें।

9. एक फर्म का औसत स्थिर लागत फलन AFC = $200x^{-1}$ तथा औसत परिवर्ती लागत फलन AVC = $0.2x^2$ है जहां x उत्पादन की मात्रा को व्यक्त करता है। चित्र की सहायता से यह दिखाएं कि कुल लागत फलन का वक्र किस प्रकार का होगा?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के बीच अंतर बताएं –

i) निर्बल अधिमान तथा सबल अधिमान

ii) सतत् एवं असंसत वस्तु

iii) समघातीय एवं समस्थैतिक फलन

iv) प्रतिपूर्ति विचलन एवं समकक्ष विचलन (Compensating variation and Equivalent variation)